मासिक समाचार पत्र

title-code-MPHIN35679

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

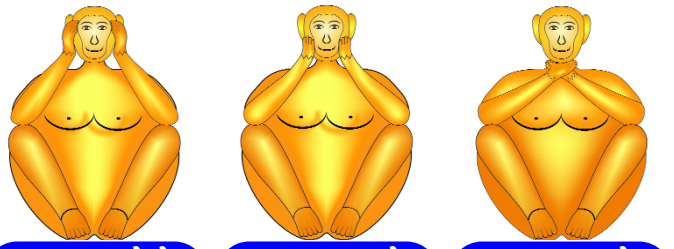



बुरा मत सोचो



बुरा मत मानो



बुरा मत करो

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

वर्ष-1 | अंक : 6 | इंदौर, 15 अगस्त 2020 | पृष्ठ : 8 | कीमत 1 रुपए

सुविचारः हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता हैः- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

# स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 में इंदौर ने फिर मारी बाजी, लगातार चौथी बार बना नंबर

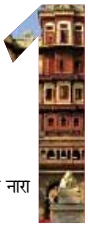



**नई दिल्ली। इंदौर ने एक बार फिर गुरुवार को स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 में बाजी मार ली। यह लगातार चौथा मौका है, जब इंदौर ने स्वच्छता के मामले में नंबर 1 का खिताब जीता है।**

सर्वे में सूरत दूसरे नंबर पर और नवी मुंबई तीसरे स्थान पर रहा।

उल्लेखनीय है कि 2016 में हुए सबसे पहले सर्वेक्षण में देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मैसूर को मिला था। उसके बाद से इंदौर लगातार चौथी बार (2017, 2018, 2019, 2020) शीर्ष स्थान पर रहा है।

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक समारोह में स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2020 की घोषणा की।केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने भी ट्वीट कर कहा कि सर्वेक्षण में लगातार चौथी बार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला मध्य प्रदेश का इंदौर पूरे देश के लिए प्रेरणा बन गया है। इसके लिए इंदौर के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान , व इंदौरवासियों को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं। स्वच्छ सर्वेक्षण-2020 के






अंतर्गत देश के 4242 शहरों ने भागीदारी की थी, जिसमें शहरों को साफ-सफाई से आगे स्वच्छता को संस्थागत स्वरूप देना और नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता को प्रमुखता से शामिल किया गया था।

इस सर्वेक्षण के प्रमुख घटक अपशिष्ट संग्रहण, परिवहन एवं प्र-संस्करण, संवहनीय स्वच्छता, नागरिकों की सहभागिता और नवाचार आदि थे। इन घटकों में कुल 6000 अंकों के आधार पर भारत सरकार द्वारा अधिकृत स्वतंत्र संस्था द्वारा मैदानी मूल्यांकन तथा जनता के फीडबैक के आधार पर अंतिम परिणाम प्रकाशित किए गए हैं। पुरस्कारों के एलान से पहले इंदौर नगर निगम की आयुक्त प्रतिभा पाल ने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि इंदौर के मेहनती सफाईकर्मियों, जागरूक नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की मदद से हम लगातार चौथी बार स्वच्छ सर्वेक्षण में अव्वल रहेंगे और इस तरह सफाई का चौका लगाने का हमारा नारा साकार होगा।

## मुख्यमंत्री ने दी बधाई

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शहरवासियों को बधाई देते हुए कहा कि इंदौर ने स्वच्छता का चौका लगाया है , इंदौर अब छक्का भी लगाएगा।उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए गर्व और प्रसन्नता का क्षण है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में देश के सबसे स्वच्छ शहर में प्रथम स्थान के सम्मान के लिए इंदौरवासियों, अधिकारियों एवं स्वच्छता योद्धाओं को बधाई। इस प्रोत्साहन और सम्मान के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का हृदय से आभार।

# देवी अहिल्या बाई की 225वीं पुण्यतिथि मनाई, 100 सालों में पहली बार नहीं निकली पालकी यात्रा











**इंदौर । शहर में देवी अहिल्याबाई की 225वीं पुण्यतिथि मंगलवार को सादगी से मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्ना आयोजन हुए। राजवाड़ा स्थित अहिल्या प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक किया गया। इसके साथ ही पंढरीनाथ चौराहा स्थित इंद्रेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक और गोपाल मंदिर में पूजन किया गया। हालांकि इस बार कोरोना संक्रमण के चलते पारंपरिक पालकी यात्रा नहीं निकाली गई।**

देवी अहिल्योत्सव समिति के माल्यार्पण कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इंदौर के लोग सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें देवी अहिल्या बाई की



छत्रछाया प्राप्त हुई। इंदौर का विकास और बदलता स्वरूप उनके ही आशीर्वाद का सुखद परिणाम है। शाम को राजवाड़ा स्थित मल्हारी मार्तंड मंदिर में अहिल्या बाई के चित्रपट की पूजा की गई। देवी अहिल्योत्सव समिति की अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि लोकमाता के गुणों का गुणगान कर उसका प्रसार करना समय की जरूरत है। नई पीढ़ी को उनके गुणों से रूबरू कराने से हम पूरी पीढ़ी को अच्छे समाज निर्माण की ओर अग्रसर कर सकेंगे। अण्णा महाराज ने पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक किया। इसके अलावा हरसिद्धि स्थित इंद्रेश्वर महादेव मंदिर में श्रेष्ठ आचार्यों द्वारा रुद्राभिषेक और गोपाल मंदिर में आव्हान पूजन हुआ। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक रमेश मेंदोला, भाजपा के नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक डागा, शरयू वाघमारे, सुधीर देड़गे, रामस्वरूप मूंदड़ा आदि उपस्थित थे।

### देवी अहिल्या बाई होलकर का संकल्प

13 मार्च 1767 को पुत्र मालेराव के निधन के उपरांत देवी अहिल्या बाई होलकर ने शासन के सूत्र अपने हाथ में लिए और यह संकल्प किया कि- यह राज्य मेरा नहीं ईश्वर का है उन्होंने राजकोष पर तुलसीदल रख कर उसे सजग भाव से लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए खर्च किया। उनका कथन था - सामर्थ्य और सत्ता के बल पर मैं जो भी कार्य यहाँ कर रही हूँ उसका जवाब मुझे ईश्वर के यहाँ देना होगा।

ऐसी प्रातः स्मरणीय, पुण्यश्लोका, लोकमाता अहिल्या बाई होलकर को उनकी 225 वी पुण्यतिथि पर शत शत नमन।

- अनिल ओझा, इंदौर

# आधार कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेल फेयर सोसायटी द्वारा कोरोना योद्धाओं को सम्मानित कर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

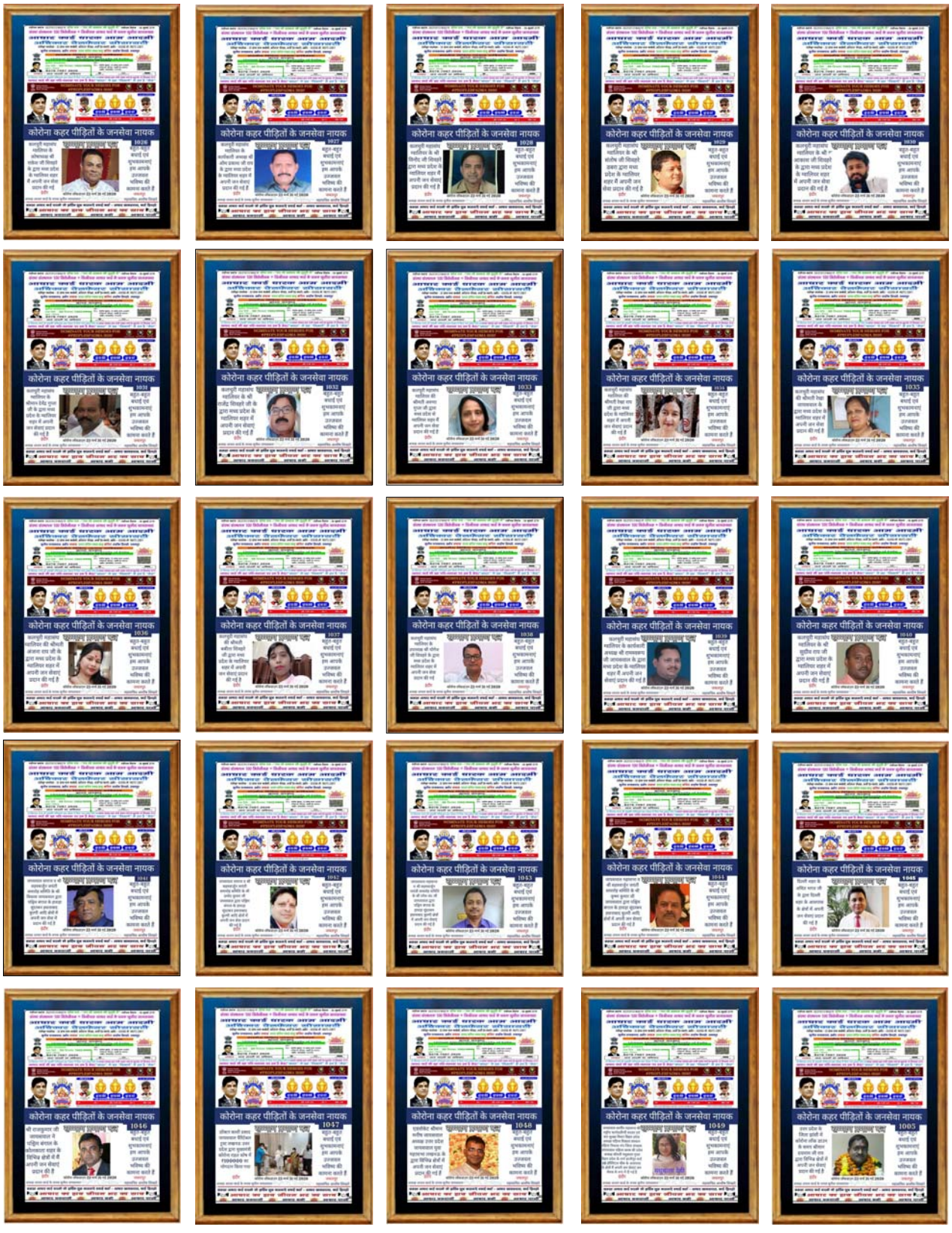

# प्रधानमंत्री मोदी करेंगे सहस्त्रबाहु पर आधारित फिल्म का मुहुर्त शॉट,मुकेश चौकसे ने टीम के साथ किया हवन-यज्ञ

## स्वजातीय प्रतिभाओं लिए फिल्म या टीवी में काम करने का सुनहरा अवसर, शूटिंग की लोकेशंस तय की, बॉलीवुड के कई नामी कलाकारों से बातचीत

**महेश्वर/इंदौर। कलचुरी समाज के आराध्य भगवान श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन के जीवन पर आधारित फिल्म और टीवी सीरियल के निर्माण कार्य का श्रीगणेश हो गया है। फिल्म निर्देशक, निर्माता और अभिनेता मुकेश आर. चौकसे ने अपनी टीम के साथ महेश्वर धाम स्थित सहस्त्रबाहु मंदिर में हवन-पूजन कर दोनों ड्रीम प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ किया। शूटिंग जल्द ही शुरू हो जाएगी। फिल्म का मुहुर्त शॉट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से कराया जाने की तैयारी है।**

गौरतलब है कि फिल्म (2 घंटे 15 मिनट) और टीवी सीरियल (200 एपीसोड) का निर्माण भगवान सहस्त्रबाहु के वंशज कलचुरी समाज के सहयोग से किया जा रहा है। चौकसे ने बताया कि इनमें कलचुरी वंश से जुड़े अन्य समाजों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। खास बात यह है कि इन दोनों प्रोजेक्ट में पर्दे पर एवं पर्दे की पीछे की भूमिकाओं में कामं करने के लिए कलचुरी समाज की प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। स्वजातीय प्रतिभाएं जो फिल्म में कोई भूमिका निभाना चाहते हों, तो वे मोबाइल 7977001755 पर कॉल कर चौकसे से संपर्क सकते हैं। यही नहीं, फिल्म और टीवी सीरियल से होने वाली आय का उपयोग कमजोर वर्ग के स्वजातीय बच्चों और की शिक्षा तथा वरिष्ठ नागरिकों के हितकार्यों में किया जाएगा।

मुकेश आर चौकसे अपनी पूरी टीम के साथ बीते रोज महेश्वर धाम पहुंचे जहां शुभ-मुहूर्त में पूजा और हवन-यज्ञ किया। इस दौरान फिल्म प्रोड्यूसर मनोज पाटीदार, एक्ट्रेस सुश्री प्रीति ओम चौकसे, खेमराज चौहान, चौकसे समाज अध्यक्ष दीपक जुगल किशोर जी चौकसे, सासंद गजेन्द्र पटेल जी, संजय जायसवाल, भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जन्मोत्सव समिति के संस्थापक अधयक्ष राजेश चौकसे ( राजू ), लल्ली चौकसे, कल्चुरी समाज सचिव दमोह राजीव राय सावजी, आधार-कार्ड के जनक कहे जाने वाले सुनील जायसवाल, सोमवंशी समाज अध्यक्ष ओमप्रकाश मुकादी, छोटेलाल बिछुए, शंकर दाने, जगदीश पटेल, अशोक परमार, डीओपी नितिन चौकसे ,बीएफएक्स अजनकया लालपोटो,कैमरामैन दिवियांश चौकसे, गीतकार सूरज नागर (पूर्व अपर कलेक्टर) के साथ ही महेश्वर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

हवन-यज्ञ में एक आहुति कोरोना महामारी के खिलाफ संघर्ष के संकल्प की भी डाली गई, साथ ही कोरोना पीड़ित स्वजातीय केंद्रीय मंत्री श्रीपद नायक और सभी पीड़ितों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई।

मुकेश आर चौकसे ने शिवहरे वाणी को बताया कि भगवान सहस्त्रबाहु पर आधारित फिल्म और सीरियल का निर्माण वह अकेले दम पर नहीं कर सकते है, समाज के सहयोग से ही यह महान यज्ञ पूर्ण होगा। अच्छी बात यह है कि इस कार्य में उन्हें कलचुरी समाज के साथ ही भगवान सहस्त्रबाहु के सभी वंशज समाजों का पूरा सहयोग मिल रहा है।

चौकसे ने बताया कि फिल्म और सीरियल में फिल्म जगत के कई नामी कलाकार काम करेंगे। इसके लिए गोविंदा, हेमा मालिनी, रंजीत, शक्ति कपूर, प्रमोद माउथो, मुकेश खन्ना, महिमा चौधरी, अरुण गोविल, गुलशन ग्रोवर, राजा चौधरी, संजय मालवी समेत कई कलाकारों से संपर्क किया जा रहा है।

फिल्म की स्क्रिप्ट पर जानकारी देते हुए बताया कि उनके दादाजी स्व. श्री खच्चूरामजी चौकसे (1955 में ब्रह्मलीन) ने भगवान सहस्त्रबाहु पर प्रमाणिक तथ्यों और पौराणिक संदर्भों से परिपूर्ण एक लेख लिखा था, जिसके आधार पर उन्होंने कथा, पटकथा, संवाद, गीत, भजन चालीसा आदि लिखकर 1982 में इनका रजिस्ट्रेशन भी करा लिया था। इस तरह फिल्म का स्टोरी आइडिया स्व. श्री खच्चूरामजी चौकसे का है, और कथा-पटकथा-संवाद मुकेश आर चौकसे के होंगे।

ल्म के लिए मुकेश आर चौकसे और सूरज नागर (पूर्व अपर कलेक्टर) द्वारा लिखे गीतों को संगीतकार समीर सेन और नशराज धिर्मीर संगीत देंगे। इन गीतों को सुरेश वाडेकर, महेंद्र जैन, सुदेश भोसले, अभिजीत, सोनू कक्कड़ जैसे गायकों के सुर मिलेंगे और संगीत के क्षेत्र में उभरती स्वजातीय प्रतिभाओं को भी इसमें मौका दिया जाएगा।

फिल्म के लिए मेकअप आर्टिस्ट रवि फुटाने होंगे जो आश्रम, गंगाजल, टंट्या भील, डाकू मलखान सिंह और आरक्षण जैसी फिल्मों में अपनी प्रतिभा को साबित कर चुके हैं। हेयर स्टाइल मगला सिरकते का होगा जो तेजाब, राजा, गंगाजल, टंट्या भीम, डाकू मलखान सिंह आदि फिल्मों में हुनर दिखा चुके हैं। कैमरामैन नीतिन चौकसे और महावीर यादव को तय किया गया है। आगे की कास्ट को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। शूटिंग की लोकेशन्स भी लगभग तय कर ली गई हैं।

# दिलों पर राज करने वाले राहत इंदौरी का निधन

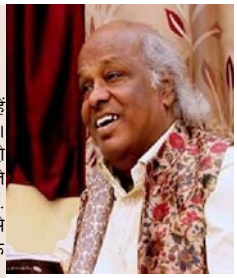

इंदौर। अपनी शेरो-शायरी के जरिए लाखों लोगों के दिलों पर राज करने वाले मशहूर शायर राहत इंदौरी को मंगलवार सुपुर्दे खाक किया गया।शहर के छोटी खजरानी स्थित कब्रस्तान में उन्हें कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दफनाया गया।अरबिंदो अस्पताल से ही उनके शव को एंबुलेंस के जरिए कब्रस्तान लाया गया। वहां नमाज अदा की गई। चुनिंदा लोगों की मौजूदगी में उनकी अंत्येष्टि की गई।

देश के प्रसिद्ध शायर डॉ. राहत इंदौरी का इंदौर में मंगलवार शाम चार बजे दिल का दौरा पड़ने से इंतकाल हो गया। राहत इंदौर की कोरोना वायरस रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

इसके बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। कोरोना से संक्रमित होने की जानकारी राहत इंदौरी ने खुद ट्वीट कर दी थी।

डॉ. राहत की तबीयत कुछ दिनों से ठीक नहीं थी और वे एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सोमवार को रेड श्रेणी के अस्पताल अरबिंदो में भर्ती कराया गया था।

दोपहर बाद एक बजे उन्हें दिल का पहला दौरा पड़ा। इसके बाद दिल के और दो दौरे पड़े और शाम चार बजे उनका निधन हो गया।डॉ. राहत के निधन पर देशभर से जानी मानी हस्तियों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

# आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल अध्यक्ष मनोनीत

## अखिल भारतीय प्रबुद्ध जायसवाल महासभा की बैठक का हुआ आयोजन

**लखनऊ। अखिल भारतीय प्रबुद्ध जायसवाल महासभा की बैठक दिनांक 30 अगस्त 2020 रविवार को सायंकाल 4:00 बजे से 6:30 बजे तक वर्चुअल जूम पद्धति से संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो गुलाब चंद जायसवाल कुलपति पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय पटना की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई।**

राष्ट्रीय महासचिव राजकुमार गुप्त लखनऊ द्वारा अपना परिचय देते हुए बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया गया। महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष इंजीनियर जी पी जायसवाल लखनऊ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री दयाराम राय झांसी ,राष्ट्रीय महासचिव राजकुमार गुप्त लखनऊ , डॉ राधेश्याम जायसवाल कुलसचिव गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय सासाराम बिहार , श्री राम मनोहर जायसवाल जोरहाट असम , प्रोफेसर भारतेंदु द्विवेदी जायसवाल सुपुत्र परम श्रद्धेय पद्मश्री प्रोफ़ेसर कपिल देव द्विवेदी जी ज्ञानपुर भदोही, उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर सीपी जायसवाल गोरखपुर , प्रदेश अध्यक्ष उड़ीसा इकाई प्रोफ़ेसर मुन्नी लाल जायसवाल राउर केला ,दिल्ली इकाई के प्रांतीय अध्यक्ष प्रोफेसर अवधेश शाह दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, मध्यप्रदेश जायसवाल महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष सुनील कुमार जायसवाल आधार के जनक इंदौर,उत्तराखंड के प्रदेशअध्यक्ष श्री अनिल कुमार जायसवाल देहरादून , श्री संतोष गुप्ता एमबीए दिल्ली , श्री राजीव रंजन जायसवाल एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट दिल्ली, श्रीमती सविता मालवीय इंदौर ,श्री मिथिलेश जायसवाल अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली , श्री अखिलेश जायसवाल प्राचार्य डॉ काशी प्रसाद जायसवाल इंटर कॉलेज इलाहाबाद, श्री मनीष जायसवाल एडवोकेट लखनऊ डॉ विजय कुमार जायसवाल चिकित्सा अधिकारी पशुपालन विभाग लखनऊ श्री संजय जायसवाल ग्रेटर नोएडाश्री सुरेश जायसवाल अध्यक्ष शिक्षक महासंघ लखनऊ प्रोफेसर अजय भूपेंद्र जायसवाल जिला अध्यक्ष कानपुर श्री रवि प्रकाश जायसवाल काशी विद्यापीठ वाराणसी श्री अनिल जायसवाल व शालिग्राम जायसवाल ललितपुरश्री राजीव रंजन जायसवाल एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली श्रीमती सविता मालवीय इंदौर, श्री विजय जायसवाल अंबेडकर नगर व अन्य सम्मिलित बंधुओ ने अपना परिचय दिया।इंजीनियर जीपी जायसवाल ने प्रस्ताव रखा कि संगठन का गठन भारत के प्रत्येक राज्य एवं जनपद स्तर पर शीघ्रता के साथ पूरा किया जाए।आगामी 27 नवंबर 2020 को परम श्रद्धेय डॉक्टर काशी प्रसाद जायसवाल की जयंती समारोह के साथ ही 28 नवंबर 2020 को लखनऊ में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक आयोजित की जाए। इंजीनियर जी पी जायसवाल ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सभी प्रकोष्ठो के उपाध्यक्ष, प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सचिव ,राष्ट्रीय सचिव तथा राज्यों के प्रकोष्ठो के उपाध्यक्ष को प्रांतीय उपाध्यक्ष तथा सचिव को प्रांतीय सचिव समझा जाएगा। महापुरुष सम्मान प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों से आग्रह किया गया कि परम श्रद्धेय डॉक्टर काशी प्रसाद जायसवाल , महान गणितज्ञ प्रोफेसर गोरख प्रसाद जायसवाल , राय बहादुर डॉ हीरालाल , पद्म श्री डॉ कपिल देव द्विवेदी , प्रसिद्ध शिक्षाविद व सांसद प्रोफ़ेसर राजा राम शास्त्री, श्री चंद्रिका प्रसाद जिज्ञासु के साथ अन्य महापुरुष जिनके बारे में जानकारी प्राप्त हो उनका भी जन्मदिन व पुण्यतिथि मनाई जाय। श्री अनिल कुमार जायसवाल ललितपुर ने डॉक्टर काशी प्रसाद जायसवाल के बारे में पेपर तैयार कर वितरित करने का सुझाव दिया है ।

कुलसचिव राधेश्याम जायसवाल ने सुझाव दिया कि डॉक्टर काशी प्रसाद जायसवाल के नाम पर विश्वविद्यालय खोलने, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में डॉक्टर काशी प्रसाद जायसवाल के नाम पर रिसर्च के लिए पीठ की स्थापना डॉक्टर काशी प्रसाद जायसवाल के इतिहास संबंधी लेखन को विश्वविद्यालय वह माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल कर लें का प्रयास किया जाए। बैठक के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विचार व्यक्त करते हुए पदाधिकारियों के सुझाव को स्वीकार करते हुए बताया कि मैं महा मना की बगिया काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रांगण में इस समय उपस्थित हूं मैं अपने तरफ से, सेवानिवृत्ति के उपरांत लगभग 100000 मासिक पेंशन मिलेगी जिसका एक चौथाई 25त्न संस्था को प्रतिमाह देने का संकल्प लेता हूं जिसका करतल ध्वनि से स्वागत किया गया । इस पर संस्था के राष्ट्रीय महासचिव श्री राजकुमार गुप्त ने भी महा मना के कर्म भूमि सर्व विद्या की राजधानी बीएचयू से अपने को जोड़ते हुए अपने इनकम टैक्स रिटर्न का 10प्रतिशत प्रतिवर्ष संस्था को देने की घोषणा की । सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया ।बैठक का संचालन लखनऊ , बाल निकुंज ग्रुप ऑफ एजुकेशन लखनऊ के संस्थापक प्रबंधक स्वर्गीय शिव सहाय जायसवाल संरक्षक प्रबुद्ध जायसवाल कल्याण समिति लखनऊ व बलिया जायसवाल समाज के गौरव स्व गणेश प्रसाद जायसवाल के आकस्मिक निधन पर शोक प्रस्ताव व श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए महासभा की बैठक समाप्त हुई। बैठक का साभार राजकुमार गुप्त राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय प्रबुद्ध जायसवाल महसभा ने माना।

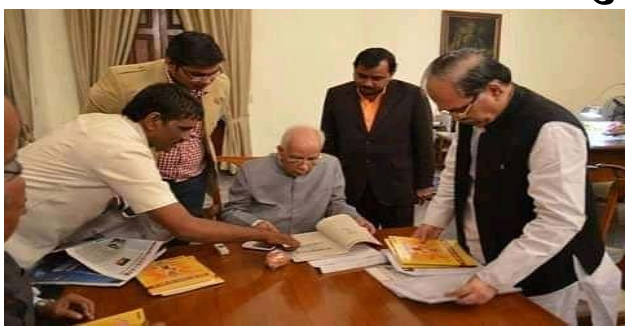

उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश महासचिव इंजीनियर के के जायसवाल ने सफलता पूर्वक किया। लखनऊ के प्रतिष्ठित अधिवक्ता श्री बसंत लाल जायसवाल एडवोकेट, संरक्षक जायसवाल समाज

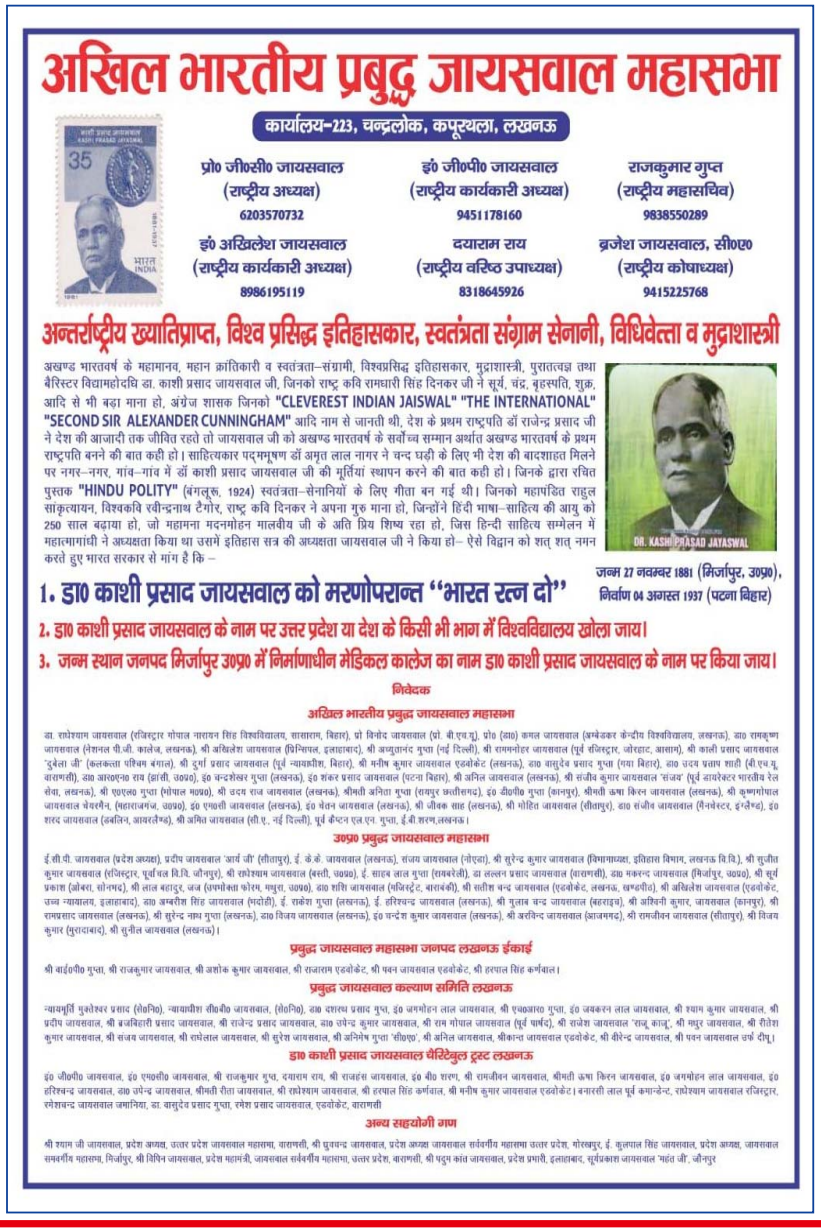

# भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

## व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं

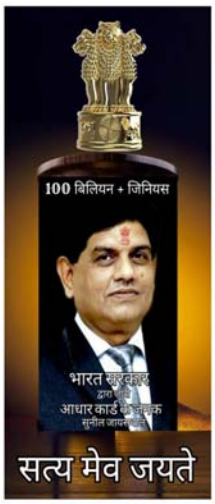

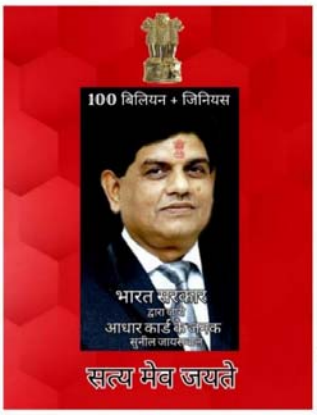

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल इंदौर की ओर से
आप सभी को हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

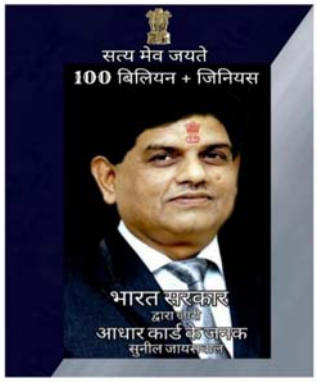

जन्मदिन की हार्दिक-हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मरीमाता चौराहे पर सिद्धेश्वर मंदिर में गणपति जी के आगमन अवसर पर भाजपा के गोलु शुक्ला व आधार कार्ड के जनक के पुत्र मासूम जायसवाल

# भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

## व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रद्धांजलि

यतीन मिश्रा के ससुर एवं वासुदेव मिश्रा भल्लू भैया के संबंधी सतना वाले प्रमोद जी तिवारी जी को आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल के परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

# पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को श्रृद्धांजलि अर्पित

**नई दिल्ली।प्रणब मुखर्जी का सोमवार को निधन हुआ था, 10 अगस्त को ब्रेन सर्जरी के बाद वे रिकवर नहीं हो पाए। उन्हें पूरे देश ने श्रृद्धांजलि अर्पित की।**

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी (84) का अंतिम संस्कार दिल्ली के लोधी रोड स्थित श्मशान में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। बेटे अभिजीत मुखर्जी ने अंतिम क्रियाएं पूरी कीं। कोरोना प्रोटोकॉल के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके परिवार के लोग और रिश्तेदार पीपीई किट पहने हुए थे। बेटे ने कहा, ÷पिता की मौजूदगी ही पूरे परिवार के लिए बड़ा सहारा था। मुझे लगता है कि उनके निधन की मुख्य वजह कोरोना नहीं, बल्कि ब्रेन सर्जरी रही। हम उन्हें पश्चिम बंगाल ले जाना चाहता था, लेकिन कोरोना की वजह से ऐसा नहीं कर सके।

इससे पहले उनके 10 राजाजी मार्ग स्थित घर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने श्रद्धांजलि दी थी।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत और तीनों सेना प्रमुखों ने भी प्रणब को श्रद्धांजलि दी।

**प्रणब दा क्लर्क रहे, कॉलेज में भी पढ़ाया**–प्रणब का जन्म ब्रिटिश दौर की बंगाल प्रेसिडेंसी (अब पश्चिम बंगाल) के मिराती गांव में 11 दिसंबर 1935 को हुआ था। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस और हिस्ट्री में एमए किया। वे डिप्टी अकाउंट जनरल (पोस्ट एंड टेलीग्राफ) में क्लर्क भी रहे। 1963 में वे कोलकाता के विद्यानगर कॉलेज में पॉलिटिकल साइंस के लेक्चरर भी रहे।

**1969 में शुरू हुआ राजनीतिक सफर**–प्रणब के पॉलिटिकल करियर की शुरुआत 1969 में हुई। उन्होंने मिदनापुर उपचुनाव में वीके कृष्ण मेनन का कैम्पेन सफलतापूर्वक संभाला था। तब प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी ने उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें पार्टी में शामिल कर लिया। 1969 में ही प्रणब राज्यसभा के लिए चुने गए। इसके बाद 1975, 1981, 1993 और 1999 में राज्यसभा के लिए चुने गए।

# कोरोना कहर-सिरीज-समाचार-व्हाट्सअप ट्वीटर फेसबूक,इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब पर लगातार

# राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का जन्म दिवस

विनय उजाला

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र के अपने कुछ राष्ट्रीय प्रतीक होते हैं, जैसे राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्र भाषा, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय चिन्ह, राष्ट्रीय पशु, राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय वृक्ष, राष्ट्रीय पुष्प, राष्ट्रीय फल, राष्ट्रीय खेल, राष्ट्रीय जलचर, राष्ट्रीय नदी आदि। इन राष्ट्रीय प्रतीकों से विश्व में उस राष्ट्र की पृथक पहचान स्थापित होती है। इन राष्ट्रीय प्रतीकों का भी अपना स्वयं का इतिहास, विशिष्टता और अर्थ होता है।

इन राष्ट्रीय प्रतीकों में भी राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान जैसे प्रतीक अधिक महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि विशिष्ट अवसरों पर ये प्रदर्शित किए जाते हैं/गाए जाते हैं। आज हम बात करेंगे, भारत के राष्ट्रध्वज की जिसे हम सब तिरंगा भी कहते हैं।

सन 1947 में स्वतंत्रता की भोर आने की आहट हो चुकी थी। ऐसे में स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्र ध्वज का आकार तथा स्वरूप निर्धारित करने के लिए 23 जून 1947 को एक अस्थाई समिति का गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष थे डॉ. राजेन्द्र प्रसाद। समिति के अन्य सदस्य थे - डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरोजिनी नायडू, मौलाना अबुल कलाम आजाद, के.एम. मुंशी, राजगोपालाचारी और के.एम. पणीकर। इस समिति ने कई बैठकें की और विस्तृत विचार विमर्श के बाद स्वतंत्र भारत के भावी राष्ट्रध्वज का स्वरूप और आकार तय किया। झंडे के इस तय किये गए स्वरूप और आकार पर संविधान सभा की स्वीकृति प्राप्त करने हेतु पं. जवाहर लाल नेहरू को अधिकृत किया गया।

22 जुलाई 1947 को पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा के सम्मुख एक अत्यंत हृदयस्पर्शी और मार्मिक भाषण दिया और झंडे के तय किए गए स्वरूप और आकार को संविधान सभा और भारत के नागरिकों के सम्मुख प्रस्तुत किया। संविधान सभा ने करतल ध्वनि के साथ सर्वसम्मति से झंडे के उस स्वरूप और आकार को स्वतंत्रत भारत के राष्ट्र ध्वज के रूप में स्वीकार किया और इस तरह 22 जुलाई 1947 को हमारे राष्ट्रध्वज तिरंगे का जन्म हुआ।

पं. नेहरू ने राष्ट्र ध्वज के दो स्वरूप एक सूती खादी का और दूसरा रेशमी खादी का प्रस्तुत किए थे। पं. नेहरू ने राष्ट्र ध्वज के मानक बताए जो इस प्रकार हैं-

भारत का राष्ट्रध्वज समतल तिरंगा होगा।

यह आयताकार होगा, जिसकी लंबाई और चौड़ाई में 3:2 का अनुपात होगा।

इसमें केशरिया, सफेद तथा हरे रंग की समान आकार की तीन क्षैतिज (आड़ी) पट्टिकाएं होंगी।

सबसे ऊपर केशरिया, बीच में सफेद और सबसे नीचे हरी पट्टिका होगी।

सफेद रंग के पट्टी पर मध्य में सारनाथ स्थीत अशोक स्तंभ पर अंकित 24 शलाकाओं वाला चक्र नीले रंग से अंकित होगा।इस चक्र का व्यास सफेद पट्टिका की चौड़ाई के बराबर होगा।

राष्ट्र ध्वज के रंगों के अर्थ-

केशरिया रंग बलिदान और साहस का प्रतीक है।

सफेद रंग सत्य, शांति और पवित्रता का प्रतीक हैं।

हरा रंग श्रद्धा, विश्वास उर्वरता और खुशहाली का प्रतीक है।

24 शलाकाओं का चक्र 24 घंटे निरंतर प्रगति का प्रतकीक है और इसका नीला रंग प्रगति को अनंत नीले आकाश और अथाह गहरे नीले सागर के समान दर्शाता है।

आओ आज हम भी पूरे उत्साह और उमंग से तिरंगे का जन्म दिवस मनाएं और सच्चे भारतीय होने का गर्व महसूस करें।

**प्रस्तुति - अनिल ओझा**

# कोरोना कहर–सिरीज–समाचार–व्हाट्सअप ट्वीटर फेसबूक,इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब पर लगातार

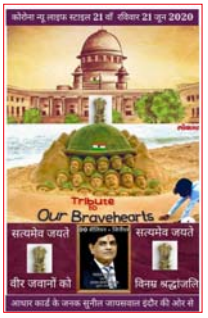

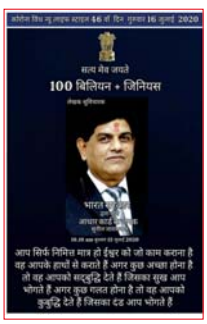

# आधार कार्ड बनवाने के दौरान टूटा लोगों के सब्र का बांध, दो पक्षों में पथराव

**मेरठ। कोरोना संक्रमण के कारण लगे लॉकडाउन में बंद हुए आधार कार्ड बनाने का काम करीब 5 महीने बाद फिर से शुरू हो चुका है। आधार कार्ड डाकघर में बनने शुरू हुए तो लोगों के सब्र का बांध टूट गया। पिछले पांच महीने से आधार कार्ड बनवाने और उनमें त्रुटियां सुधरवाने के लिए इंतजार कर रहे लोग का रूख अब डाकघरों की ओर हो गया है। लोग कोरोना संक्रमण की चिंता किए बगैर आधार कार्ड बनवाने की लाइन में लग रहे हैं, जिसके कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।**

लॉकडाउन के बावजूद भी घंटाघर डाकघर में आधार कार्ड बनवाने की लाइन घंटाघर तक पहुंच गई। कोई व्यवस्था न होने के कारण थोड़ी ही देर में लाइन में अव्यवस्था फैलने लगी तो हंगामा शुरू हो गया। इस हंगामे में दो पक्ष आमने सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इसके बाद तो डाकघर में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट और पथराव में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल भर्ती कराया है।

बताया गया कि वैशाली कॉलोनी गढ़ रोड निवासी दो युवक आधार कार्ड बनवाने के लिए मुख्य डाकघर पहुंचे। वे लोग लाइन में लगे थे। इसी बीच नेट धीमे होने की वजह से आधार कार्ड बनने में देरी हुई तो लाइन में लगे लोगों के बीच कहासुनी हो गई। जो कि कुछ देर बाद मारपीट में बदल गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान दफ्तर केबिन का शीशा भी टूट गया।

डाक अधीक्षक हरीश कुमार गुंबर का कहना है कि दो युवक शनिवार को आधार कार्ड बनवाने के लिए आए थे। नेट धीमे होने के कारण कार्य में देरी हुई। उन्होंने बताया कि मारपीट में उप डाक अधिकारी कक्ष के शीशे टूट गए। मौके पर जब पुलिस पहुंची तो मारपीट के आरोपी मौके से फरार हो गए। लाइन में लगे लोगों का कहना था कि आधार बनवाने के लिए बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

# देश में 18 करोड़ लोगों ने आधार को अभी तक पेन कार्ड से नहीं किया लिंक

**नई दिल्ली। पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने की योजना को लगातार आगे बढ़ाया है। उसके बाद भी देश में पैन आधार कार्ड लिंक करने की योजना पूरी नहीं हो सकी है। खास बात तो ये है कि देश में अभी 18 करोड़ पैन कार्ड ऐसे हैं जो आधार कार्ड से नहीं लिंक नहीं है। माई गवर्नमेंट इंडिया की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में अभी तक 31.71 करोड़ पैन कार्ड आधार कार्ड से लिंक हुए हैं। जबकि देश में पैन कार्ड धारकों की संख्या 50 करोड़ से ज्यादा है। जिसकी संख्या में और ज्यादा इजाफा देखने को मिल सकता है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से किस तरह से आंकड़े जारी हुए हैं।**

## 18 करोड़ पैन कार्ड अभी भी बाकी

माई गवर्नमेंट इंडिया की ओर से किए गए ट्वीट से मिली जानकारी के अनुसार देश में अभी 18 करोड़ पैन कार्ड ऐसे हैं, जो आधार कार्ड से लिंक नहीं हुए हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार देश में अभी तक 32.71 करोड़ स्थाई खाता संख्या यानी पैन कार्ड जोड़े जा चुके हैं। जबकि देश में 29 जून तक पैन कार्ड धारकों की संख्या 50.95 करोड़ हो चुकी है। सरकार पहले ही आधार को पैन से जोड़ने की तारीख बढ़ाकर 31 मार्च, 2021 कर चुकी है। आपको बता दें कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यानी यूआईडीएआई 12 अंकों वाला आधार कार्ड जारी करता है जबकि आयकर विभाग किसी, व्यक्ति या इकाई को 10 अंकों वाला पैन जारी करता है।

## रिटर्न भरने वालों की संख्या

आयकर विभाग की ओर से साफ किया जा चुका है कि अगर पैन कार्ड को आधार से कनेक्ट नहीं जाजा है तो वो बंद हो जाएगा। ऐसे में दोनों का लिंक होना काफी जरूरी है। माई गवर्नमेंट इंडिया ने अपने ट्वीट में इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों के इनकम डिस्ट्रीब्यूशन के बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि 57 फीसदी यूनिट्स ऐसी हैं जिनकी इनकम 2.5 लाख रुपए से कम है। वहीं 18 फीसदी उन लोगों द्वारा रिटर्न भरा जाता जिनकी आय 2.5 से 5 लाख रुपए है। 17 फीसदी लोगों की आय 5 लाख रुपए से 10 लाख रुपए है। सात फीसदी की आय 10 लाख रुपए से लेकर 50 लाख रुपए तक है। इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों में सिर्फ एक फीसदी ऐसे लोग हैं जो अपनी आय को 50 लाख रुपए से ज्यादा दिखाते हैं।

# आधार कार्ड में फोटो, ईमेल, मोबाइल नंबर अपडेट कराने के लिए नहीं देना पड़ता दस्तावेज

**नई दिल्ली।** भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की ओर से जारी आधार नंबर में अगर आपको अपना फोटो, मोबाइल नंबर, जेंडर, ईमेल, बायोमैट्रिक आदि अपडेट कराना हो, तो इसके लिए आपको किसी प्रकार के दस्तावेज देने की जरूरत नहीं पड़ती. हालांकि, अक्सर लोग अपने घर का पता, फोन नंबर आदि बदलने के बाद भी अपने आधार को अपडेट नहीं करते. ऐसी स्थिति में जब कभी भी उन्हें आधार नंबर के इस्तेमाल की जरूरत पड़ती है, तो वह स्वीकार नहीं किया जाता. आधार नंबर का इस्तेमाल करने के लिए उसे अपडेट करते रहना भी बेहद जरूरी है.आपको बता दें कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यानी यूआईडीएआई आधार कार्डधारकों को जानकारियां अपडेट करने की सुविधा प्रदान करता है. अक्सर लोग-बाग यह सोचते हैं कि क्या आधार में फोटो, बायोमैट्रिक, जेंडर, मोबाइल नंबर और ईमेल अपडेट करने के लिए किसी प्रकार के दस्तावेज की जरूरत पड़ती है?

भारतीय विशिष्ठ पहचान प्राधिकरण

AADHAAR

आम आदमी का अधिकार

आधार पंजीकरण केन्द्र

बुनकर सेवा केन्द्र

f4 औद्योगिक क्षेत्र पोलोग्राउण्ड, इंदौर

रवि कुमार

शासकीय माध्यमिक विद्यालय,मौनी बाबा आश्रम
नरवल, सांवेर रोड,इंदौर, संपर्क-6268568837

समस्त आधार कार्ड धारको को हार्दिक शुभ कामनाऐ बधाई कर्ता – आधार जायसवाल, कार्ड शिवहरे

आधार का हाथ जीवन भर का साथ

आधार बनवाओं आधार बनो आधार पाओ

933

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर, 452006 से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)